भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

विषयः- वायु क्षेत्र का लचीला प्रयोग (एफ यू ए) विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वायु क्षेत्र का लचीला प्रयोग विषय पर एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 15.07.2015 को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण प्रचालन कार्यालय, कोलकाता में श्री एस. भादुड़ी, क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा किया गया। इस अवसर पर वहाँ भाविप्रा, वायु सेना, नौ सेना, तट रक्षक, डी आर डी ओ तथा एयरलाइनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वायु क्षेत्र के लचीले प्रयोग का प्राथमिक उद्देश्य वायु क्षेत्र की क्षमता को बढ़ाना, विलम्ब को कम करना, ईंधन संरक्षण, उत्सर्जन में कमी तथा यात्रियों को उच्चतम लाभ पहुँचाना है। कुशल नागरिक एवं सैन्य समन्वयन के माध्यम से वायु क्षेत्र के लचीले प्रयोग का कार्यान्वयन राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को उच्चतम लाभ पहुँचाने के साथ यात्रियों की संख्या में वृद्धि को गति प्रदान करने के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। वायु क्षेत्र के लचीले प्रयोग की वजह से सैन्य एवं नागरिक दोनों ही प्रयोक्ता उपलब्ध वायु क्षेत्र का साझेदारी के आधार पर दक्षतापूर्वक एवं प्रभावशाली ढंग से उपयोग कर लेते हैं और इस प्रकार इससे बेहतरीन प्रयोग की प्राप्ति होती है। तथा इससे इसकी क्षमता में वृद्धि होती है जिसके परिणाम स्वरुप प्रचालन में दक्षता आती है। इस मॉडल में नागरिक एव सैन्य विभागों के बीच एक समन्वित प्रक्रिया को अपनाया जाएगा ताकि साझेदारी द्वारा इस का अधिकतम उपयोग किया जा सके।

वायु क्षेत्र का लचीला उपयोग प्रचालन में दक्षता, एयरलाइनों की व्यवहार्यता तथा कम ईंधन की खपत के साथ कार्बन फुटप्रिंट को घटा कर के पर्यावरण को होने वाली क्षति को कम करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इस प्रकार इससे पर्यावरण को हरा-भरा रखने में भी मदद मिलेगी। देश में वायु क्षेत्र के लचीले प्रयोग की अवधारणा की शुरुआत के माध्यम से इन्हे प्राप्त किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

.....

जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें।

महाप्रबंधक जनसंपर्क, भाविप्रा 9810025069,011-24622787

सं- 25/2015-16